Bachelor of Commerce with Major in Account & Finance [B.Com (A & F)]
Bachelor of Commerce with Major in Finance & Cost Accounting [B.Com (F & CA)]
Bachelor of Commerce with Major in Corporate Affairs and Administration [B.Com (CA&A)]

बैचलर ऑफ़ कॉमर्स (अकाउंट एंड फाइनेंस) [B.COM (A&F)]
बैचलर ऑफ़ कॉमर्स (फाइनेंस एंड कॉस्ट एकाउंटिंग) [B.COM (F & CA)]
बैचलर ऑफ़ कॉमर्स (कॉर्पोरेट अफेयर्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन) [B.COM (CA&A)]

सत्रीय कार्य
2018–19

सहयोगी कार्यक्रम
(आई. सी. डब्लू. ए. आई - आई. सी. एस. आई - आई. सी. ए. आई)
(ICWAI – ICSI - ICAI)

ई. सी. ओ-12 (ECO-12): अंकेक्षण के मूल तत्व
ई. सी. ओ-13(ECO-13) : व्यावसायिक पर्यावरण
ए. ई. डी-01 (AED-01): निर्यात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

जुलाई 2018 तथा जनवरी 2019 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

सत्रीय कार्य – 2018–19

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2018 और जनवरी 2019)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जूलाई 2018** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2019** तक है।

2. जो **जनवरी 2019** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2019** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**ई. सी. ओ- 12**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंकेक्षण के मूल तत्व**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**ई. सी. ओ- 12 / टी. एम. ए. / 2018 - 19**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **अधिकतम अंक : 100**

1. "जहाँ पुस्तपालन समाप्त होता हैं, वहाँ लेखाकरण प्रारम्भ होता है, और जहाँ लेखाकरण समाप्त होता हैं, वहाँ अंकेक्षण प्रारम्भ होता हैं " । इस कथन की व्याख्या कीजिए । **(20)**

2. **(क)** आन्तरिक निंयत्रण क्या है ? आन्तरिक निंयत्रण तथा आन्तरिक निरीक्षण में भेद कीजिए ।
   (ख) प्रमाणन क्या है ? प्रमाणन तथा सत्यापन में भेद कीजिए । **(10,10)**

3. **(क)** निम्नलिखित का सत्यापन आप कैसे करेंगे :
   (i) व्यापार चिन्ह
   (ii) स्टॉक

   (ख) निम्नलिखित का मूल्यांकन आप कैसे करेंगे :

   (i) ख्याति

   (ii) पेटेण्ट्स **(10,10)**

4. **(क)** एक कम्पनी अंकेक्षक के अधिकार एवं कर्तव्यों का उल्लेख कीजिए ।
   (ख) एक कम्पनी अंकेक्षक की नियुक्ति तथा उसे पदच्युत करने के सम्बंध में कम्पनी विधान के प्रावधानों का उल्लेख कीजिए । **(10,10)**

5. **(क)** अंकेक्षक प्रतिवेदन क्या है ? एक काल्पनिक स्वच्छ प्रतिवेदन का नमूना दीजिए ।

   (ख) स्वच्छ रिपोर्ट तथा मर्यादित रिपोर्ट में भेद दीजिए। **(10,10)**

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**ई. सी. ओ.-13**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यावसायिक पर्यावरण**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**ई. सी. ओ.-13 / टी. एम. ए. / 2018 - 19**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **अधिकतम अंक : 100**

1. सामाजिक दायित्व से आप क्या समझते हैं ? व्यवसाय के सामाजिक दायित्व के पक्ष और विपक्ष के तर्कों का वर्णन कीजिए । **(5+15)**
2. व्यवसाय में सरकार अपनी नियामक भूमिका को किस प्रकार लागू करती हैं ? इसके क्या उद्देश्य हैं ? **(15+5)**
3. प्रबंध में श्रमिकों की सहभागिता सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए । इसकी विभिन्न योजनाओं की व्याख्या कीजिए । **(5+15)**
4. 1997 - 2002 निर्यात आयात नीति की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए । **(20)**
5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए: `
   (क) भारत में मिश्रित अर्थ व्यवस्था
   (ख) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986
   (ग) औधोगिक रुग्णता
   (घ) विदेशी व्यापार का महत्व **(5X4)**

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**ए. ई. डी. - 01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**निर्यात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**ए. ई. डी. - 01/ टी. एम. ए. / 2018 - 19**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **अधिकतम अंक : 100**

1. निर्यात आदेश संबंधी कार्यवाही के विभिन्न चरणों का उल्लेख कीजिए । उस सभी चरणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए । **(5+15)**

2. पोत लदान पूर्व वित्त और पोत लदानोत्तर वित्त में अंतर बताइए । भारतीय निर्यातकों को उपलब्ध विभिन्न पोत लदानोत्तर वित्त का वर्णन कीजिए । **(6+14)**

3. भारत में निर्यात सवंर्धन के लिए संस्थागत ढाँचा से संबंधित विभिन्न तकनीकि तथा विशिष्ट सेवा सहायता संस्थागत ढाँचों का वर्णन कीजिए । क्या आप समझते हैं कि ये संस्थाएँ निर्यात सवंर्धन में मदद करते हैं ? **(16+4)**

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ कीजिए ।
   (**क**) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार देश के संसाधनों का श्रेष्टतर उपयोग करने में सहायता नहीं करता है ।
   (**ख**) फोरफेटिंग उधार विक्रय को निर्यातक के लिए नकद विक्रय में नहीं बदलता है ।
   (**ग**) निकासी तथा अग्रप्रेषण एजेंट माल के मालिकों तथा परिवहन साधनों के स्वामियों के बीच एक कड़ी का काम नहीं करता है ।
   (**घ**) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारियों द्वारा परीक्षण के बिना ही निर्यातकों को माल ले जाने नहीं देता है । **(5X4)**

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए ।
   (क) डिम्ड निर्यात
   (ख) साख पत्र
   (ग) खुला संरक्षण
   (घ) निर्यात विपणन प्रयासों को सुदृढ़ करना **(5X4)**